Millennium Post- 21- December-2022

Delhi govt to build 2 MGD water recycling plant: Dy CM Sisodia

ARGHYA BHASKAR

NEW DELHI: Deputy Chief Minister Manish Sisodia on Tuesday approved the project for the construction of a 2 MGD recycling plant, at the Bawana Water Treatment Plant (WTP) under the Delhi Jal Board. The total cost of this project is around Rs 10.3 crore. As per a statement from the government after the completion of the project, the plant will be a key in the fulfillment of the program to provide 24-hour pure water supply to every single household in Delhi.

Along with this, keeping in view the increasing population of Delhi, the plant will play an important role in meeting the water demand of the future. Sisodia has instructed the officials to build the recycling plant to be at par with world-class standards, and to do so swiftly, as per stipulated timelines.

Sisodia said that the 2 MGD capacity recycling plant will be constructed in Bawana to recycle the water coming out of the existing 20 MGD WTP. The 20 MGD WTP at Bawana was constructed in the year 2000 and it was commissioned in the year 2015 after the launch of Carrier Lined Channel (CLC). Presently there is no recycling plant for this WTP, due to which a lot of water wastage is incurred. To prevent this, the Delhi government has planned to construct the 2 MGD recycling plant at Bawana WTP. The government statement said that the treatment process to filter the water at the recycling plant will be as per predetermined DJB norms, so that clean water can be easily supplied directly to the people of Delhi. Along with this, Water wastage will be curbed through the recycling plant, which is being built at a cost of Rs 10.3 crore.

The Morning Standard- 21- December-2022

2-million gallon capacity water recycling plant to come up at Bawana

ANUP VERMA @ New Delhi

DELHI government on Tuesday announced to set up a 2-MGD (million gallons per day) water recycling plant in Bawana under its plan to provide 24x7 water supply in the city. Deputy CM Manish Sisodia approved Delhi Jal Board's project for construction of the recycling plant at Bawana WTP. The total cost of this project is around ₹10.3 crore.

The Deputy CM said that a 2 MGD capacity recycling plant will be constructed in Bawana to recycle the water coming out of the existing 20 MGD WTP. The 20 MGD WTP at Bawana was constructed in 2000 and was commissioned in 2015 after the launch of the Carrier Lined Channel. Presently there is no recycling plant for this WTP, due to which a lot of water wastage is incurred. To prevent this, the Kejriwal government has planned to construct the plant. The treatment process at the plant will be as per predetermined DJB norms.

Delhi government is also working in a phased manner to upgrade the sewerage system in the capital, lay sewer lines in different areas and provide door-to-door sewer connections

Manish Sisodia, Deputy CM

Sisodia said that the provision of water allocation in Delhi is still done on the basis of old rules, compared to which, the population of the city has increased significantly. "In such a situation, the Delhi government is working with a plan of action and a system to ensure that every citizen can be provided drinking water 24 hours a day in their homes. Owing to rising population, arrangements for future requirements are being made as well," he said.

He added that the Delhi government is working on a war footing to increase the water supply. "Along with this, the Delhi government is also working in a phased manner to upgrade the sewerage system in the capital, lay sewer lines in different areas and provide door-to-door sewer connections. Decentralised sewage treatment plants (D-STPs) are being built by the Delhi government in various unauthorised colonies and rural areas to ensure that contaminated water does not flow into the Yamuna river," he said.

Amar Ujala- 21- December-2022

बवाना में 10 करोड़ रुपये से बनेगा वाटर रीसाइक्लिंग प्लांट

अमर उजाला ब्यूरो

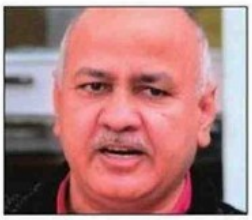

दिल्ली सरकार ने 24 घंटे पानी देने की दिशा में पहल की : सिसोदिया

नई दिल्ली। सरकार ने हर घर को 24 घंटे शुद्ध पेयजल उपलब्ध कराने के लिए योजनाओं को हरी झंडी देनी शुरू कर दी है। इस दिशा में उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया ने मंगलवार को दिल्ली जल बोर्ड के बवाना वाटर ट्रीटमेंट प्लांट (डब्ल्यूटीपी) में दो एमजीडी रीसाइक्लिंग प्लांट के निर्माण की योजना को मंजूरी दे दी।

योजना पर करीब 10 करोड़ रुपये व्यय होंगे। इस मौके पर सिसोदिया ने दावा किया कि योजना का काम पूरा होने के बाद हर घर में 24 घंटे शुद्ध पेयजल उपलब्ध कराने के लक्ष्य को पूरा करने में मदद मिलेगी। साथ ही, दिल्ली की बढ़ती आबादी को देखते हुए भविष्य में पानी के इंतजाम में भी अहम भूमिका होगी। सिसोदिया ने बताया कि बवाना में मौजूदा 20 एमजीडी डब्ल्यूटीपी से निकलने वाले पानी को रीसाइकिल करने के लिए दो एमजीडी क्षमता वाले रीसाइक्लिंग प्लांट का निर्माण किया जाएगा। बवाना में डब्ल्यूटीपी का निर्माण साल 2000 में किया गया था।

इसके लिए वर्तमान में कोई रिसाइकलिंग प्लांट नहीं है। इससे काफी मात्रा में पानी की बर्बादी होती है। ऐसे में पानी की बर्बादी रोकने के लिए दो एमजीडी रीसाइक्लिंग प्लांट का निर्माण किया जाएगा। दिल्ली में अभी भी पानी का बंटवारा पुराने नियम के आधार पर किया जा रहा है, जबकि आबादी काफी बढ़ चुकी है। इस कारण दिल्ली सरकार ऐसा सिस्टम बनाने पर जोर दो रही है, जिससे लोगों को घरों में 24 घंटे शुद्ध पानी मिल सके। वहीं, जल बोर्ड ने पानी में प्रदूषण को नियंत्रित करने और आबादी के हिसाब से पानी की आपूर्ति सुनिश्चित करने की दिशा में लगातार काम शुरू कर दिया है। इसी कड़ी में सरकार ने जल आपूर्ति नेटवर्क को मजबूत करने लिए निर्णय लिए हैं।

सरकार सीवरेज सिस्टम को भी बेहतर बनाने, विभिन्न इलाकों में सीवर लाइन बिछाने और घर-घर सीवर कनेक्शन उपलब्ध कराने की दिशा में भी चरणबद्ध तरीके से काम कर रही है। यमुना में दूषित पानी जाने से रोकने के लिए अनधिकृत कालोनियों में डिसेंट्रलाइज्ड सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट बनाए जा रहे हैं।

Hindustan- 21- December-2022

बवाना में जल बोर्ड की बड़ी परियोजना को मंजूरी

नई दिल्ली, प्रमुख संवाददाता। केजरीवाल सरकार ने दिल्ली के लोगों को 24 घंटे पानी देने की दिशा में पहल की है। सरकार बवाना में दो एमजीडी क्षमता वाला रीसाइकिल संयंत्र बनाएगी। उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया ने मंगलवार को दिल्ली जल बोर्ड की इस परियोजना को मंजूरी दे दी है।

उपमुख्यमंत्री ने बताया कि बवाना में मौजूदा 20 एमजीडी डब्ल्यूटीपी से निकलने वाले पानी को रीसाइकिल करने के लिए दो एमजीडी क्षमता वाले रीसाइकिलिंग संयंत्र का निर्माण किया जाएगा। बवाना में 20 एमजीडी डब्ल्यूटीपी का निर्माण वर्ष 2000 में किया गया था। तमाम तकनीकी जरूरतों के पूरा होने के बाद वर्ष 2015 में इसे चालू किया गया। इस डब्ल्यूटीपी के लिए वर्तमान में कोई रीसाइकिलिंग संयंत्र नहीं है, जिससे काफी मात्रा में पानी की बर्बादी होती है। ऐसे पानी की बर्बादी रोकने के लिए केजरीवाल सरकार ने बवाना में दो एमजीडी रीसाइकिलिंग संयंत्र के निर्माण की योजना बनाई है।

उपमुख्यमंत्री सिसोदिया ने की घोषणा, दो एमजीडी क्षमता वाला रीसाइकिल संयंत्र बनाएगी सरकार

हर घर को 24 घंटे पानी : सिसोदिया ने बताया कि दिल्ली में अभी भी पानी का आवंटन पुराने नियम के आधार पर किया जा रहा है। इसकी तुलना में आबादी काफी बढ़ चुकी है। ऐसे में केजरीवाल सरकार ऐसा सिस्टम बनाने पर जोर दे रही है, जिससे हर घर को 24 घंटे शुद्ध पानी मिल सके। पानी में प्रदूषण को नियंत्रित करने और आबादी के हिसाब से आपूर्ति सुनिश्चित करने की दिशा में काम किया जा रहा है।

Hari Bhoomi- 21- December-2022

बवाना में बनेगा दो एमजीडी का वॉटर रीसाइक्लिंग प्लांट

10.3 करोड़ की लागत से बनने वाले प्लांट निर्माण के बाद कीमती पानी की बर्बादी को रोका जा सकेगा : सिसोदिया

हरिभूमि न्यूज ⏭ नई दिल्ली

दिल्ली के हर घर को 24 घंटे शुद्ध पीने का पानी उपलब्ध कराने की योजना पर दिल्ली सरकार युद्धस्तर पर काम कर रही है। इसी क्रम में मंगलवार को उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया ने दिल्ली जल बोर्ड के बवाना वाटर ट्रीटमेंट प्लांट (डब्ल्यूटीपी) में 2 एमजीडी रीसाइक्लिंग प्लांट के निर्माण की परियोजना को मंजूरी दी। इस परियोजना की कुल लागत करीब 10.3 करोड़ रुपये है। परियोजना का काम पूरा होने के बाद इससे जहां दिल्ली के हर घर में 24 घंटे शुद्ध पेयजल उपलब्ध कराने के लक्ष्य को पूरा करने में मदद मिलेगी। साथ ही दिल्ली की बढ़ती आबादी को देखते हुए आने वाले भविष्य के पानी के इंतजाम में भी अहम भूमिका होगी। उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया ने अधिकारियों को बवाना वॉटर ट्रीटमेंट प्लांट में रीसाइक्लिंग प्लांट को उम्मीदों के अनुरूप बनाने और गुणवत्ता पूर्ण कार्य पूरा करने के निर्देश दिए है। उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया

ने बताया कि बवाना में मौजूदा 20 एमजीडी डब्ल्यूटीपी से निकलने वाले पानी को रीसाइकिल करने के लिए 2 एमजीडी क्षमता वाले रीसाइक्लिंग प्लांट का निर्माण किया जाएगा। बवाना में 20 एमजीडी डब्ल्यूपी का निर्माण साल 2000 में किया गया था। कैरियर लाइन्ड चैनल (सीएलसी) के चालू होने के बाद साल 2015 में इसे चालू किया गया। इस डब्ल्यूटीपी के लिए वर्तमान में कोई रिसाइकलिंग प्लांट नहीं है, जिससे काफी मात्रा में पानी की बर्बादी होती है। ऐसे में कीमती पानी की बर्बादी को रोकने के लिए केजरीवाल सरकार ने बवाना डब्ल्यूटीपी में 2 एमजीडी रीसाइक्लिंग प्लांट का निर्माण की योजना बनाई है। कुछ कर्मचारियों की तैनाती के साथ अतिरिक्त 2 एमजीडी वाटर रीसाइक्लिंग प्लांट संचालित किया जाएगा।

'हर घर में 24 घंटे होगी पानी की सप्लाई'

उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया ने बताया कि दिल्ली में अभी भी पानी का एलोकेशन पुराने नियम के आधार पर किया जा रहा है, जिसकी तुलना में आज आबादी काफी बढ़ चुकी है। ऐसे में केजरीवाल सरकार ऐसा सिस्टम बनाने पर जोर दो रही है, जिससे लोगों को घरों में 24 घंटे शुद्ध पानी मिल सके। दिल्ली की बढ़ती आबादी को देखते हुए दिल्ली सरकार आने वाले भविष्य के पानी के इंतजाम में है। दिल्ली में गर्मी के मौसम में पानी की मांग के चलते लिमिटेड वाटर रिसोर्सेज पर ज्यादा दबाव पड़ता है। ऐसे में दिल्ली जल बोर्ड द्वारा पानी में प्रदूषण को नियंत्रित करने और आबादी के हिसाब से पानी की आपूर्ति सुनिश्चित करने की दिशा में लगातार काम किया जा रहा है।